# North Lakhimpur College (Autonomous)

## तीन बर्षीय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

## Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—1st

HINDI (Core)—Semester – I

Paper CT–5–HIN–101

L-4, T-1, P-0

Credits— 5

Total Class— 112

### हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और रीतिकाल

इकाई—1 कक्षाएँ 25

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन परम्परा एंव पद्धतियाँ, इतिहास दर्शन, आधारभूत सामग्री, कालविभाजन, और नामकरण की समस्याएँ।

इकाई—2 कक्षाएँ 20

हिन्दी साहित्य की आदिकाल के पृष्ठभूमि—

राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिस्थितिया, आदिकाल के नामकरण की समस्या, आदिकालोन साहित्य की प्रवृत्तियाँ।

इकाई—3 कक्षाएँ 20

आदिकाल में उपलब्ध सामग्रियाँ, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की विभिन्न धाराएँ

(सिद्ध साहित्य जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य) अपभ्रशं साहित्य, आदिकालीन गद्य साहित्य।

इकाई—4 उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) कक्षाएँ 25

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि—राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एँव आर्थिक परिस्थितियाँ, सीमाकंन एँव नामकरण, दरवारो संस्कृति, रोति कालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ।

इकाई—5 कक्षाएँ 22

रीति शब्द का अर्थ, विभिन्न धाराएँ—रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीति मुक्त, प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाए।

सहायक ग्रन्थ :


1. हिन्दी साहित्य का इतिहास—आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास—डॉ. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य : उसका उदभव और विकास—हजारी प्रसाद—द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास—रामस्वरुप चतुर्वेदी
5. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास (17 खण्ड) नागरी प्रचारिणी सभा।
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास—गणपति चन्द्र गुप्त


————

North Lakhimpur College (Autonomous)

तीन बर्षीय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—2nd

HINDI (Core)—Semester – II

Paper CT–5–HIN–202

L- 4, T-1, P-0

Credits— 5

Total Class— 112

## हिन्दी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल

इकाई—1 कक्षाएँ 30

भक्ति काल की सीमाकंन—नामाकरण, परिस्थितियाँ—राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि, भक्ति आन्दोलन का उदय और विकास, भक्ति काव्य की सामान्य पवृत्तियाँ, स्वर्णयुग, भक्ति आन्दोलन।

इकाई—2 कक्षाएँ 22

निर्गुण काव्य—सन्तकाव्य की परम्परा और विकास, प्रमुख कवि और उनके साहित्य, प्रवृत्तियाँ, कबीर का दार्शनिक चिन्तन।

इकाई—3 कक्षाएँ 20

निर्गुण काव्य—प्रेमाश्रयी शाखा—सूफी मत के सिद्धान्त, सूफी काव्य परम्परा, प्रमुख कवि और रचनाएँ, काव्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई—4 कक्षाएँ 20

सगुण काव्य—रामभक्ति शाखा के उद्‌भव और विकास, विविध सम्प्रदाय, कवि और उनके साहित्य, प्रवृत्तियाँ, तुलसी की भक्ति दर्शन, तुलसी की युगबोध।

इकाई—5 कक्षाएँ 20

सगुण काव्य धारा— कृष्णभक्ति शाखा, उद्‌भव और विकास, कवि और उनके साहित्य, प्रवृत्तियाँ, अष्टछाप और उनके कवि। सूर की राधा का तुलनात्मक अध्ययन।

सहायक ग्रन्थ :


1. हिन्दी साहित्य का इतिहास—आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास—डॉ. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य : उसका उद्‌भव और विकास—हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास—रामस्वरुप चतुर्वेदी
5. हिन्दी साहित्य का बृहद इतिहास (17 खण्ड) नागरी प्रचारिणी सभा।


———————

North Lakhimpur College (Autonomous)

तीन बर्षीय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—3rd

HINDI (Core)—Semester – III

Paper CT–4–HIN–303

L-3,T-1,P-0

Credits— 4

Total Class— 96

## प्राचीन एंव मध्य काव्य

(निम्नलिखित प्राचीन अंव मध्यकालीन कवियों के साहित्य का अध्ययन भी अपेक्षित हैं)

इकाई—1 कक्षाएँ 28

विद्यापति पदावली—संपादक—रामवृक्ष बेनीपुरी
लोकभारती प्रकाशन—खने-खने नयन कोन अनुसरई, ए सखि पेखलि एक अपरुप, माधव, कत तोर करब बड़ाई। सूरदास—भ्रमरगीत—गोपी उद्धव संवाद, संपादक—रामचन्द्र शुक्ल—खेलन हरि निकसे ब्रज खोड़ी, बोझत श्याम कौन तो गोरी, निर्गुण कौन देश के वासी, मधुवन तुम तत रहत हरे, देशियत कालिन्दि अति कारी। तुलसी—विनयपत्रिका—राम जपु राम जपु राम जपु वावरे, रामदयालु दीनहूँ तुदान हम भिखारी, अबलौ नसानी, अब न नसा है, माधव तौ समान जग मोंही, जाके प्रिय राम वैदेही।

इकाई—2 कक्षाएँ 20

कबीर ग्रंथावली— श्यामसुन्दर दास,
लोकभारती प्रकाशन

पाठ्यांश— दुलहिन गावहुँ मंगलाचार, हम न नरैं मरिहैं संसारा हरि बिन झूठ सब संसार, मन रे जागत रहिये भाई, हरि जननि मैं बालक तेरा।

इकाई—3 कक्षाएँ 28

जायसी—नागमती का विरह प्रसंग

इकाई—4 कक्षाएँ 20

बिहारी—दोहे (1—12), देव—एड़िन ऊपर घूनत घाघरो, औचक अगारा सिन्धु-स्यांही, कुन्दन से अंग नव जोवन, गंग तरंगिनी बीच वरगनि, जाती हो जो उत वे जो मिले, माखन सो मन दुध सो जोवन।

संदर्भ ग्रंथ :


1. विद्यापति—अनुशीलन एंव मूल्यांकन—डॉ वीरेन्द्र श्रीवास्तव
2. जायसी—विजयदेव नारायण साही
3. पद्मावत—जायसी
4. काव्यांजलि—डॉ अलख निरंजन सहाय, महावीर पाब्लिकेशन्स।


———

North Lakhimpur College (Autonomous)

तीन बर्षीय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—3rd

HINDI (Core)—Semester – III

Paper CT–4–HIN–304

L-3, T-1, P-0

Credits— 4

Total Class— 96

## नाटक साहित्य

इकाई—1. कक्षाएँ 24

नाटक का उद्‌भव और विकास, प्रकार—रंग नाटक, पाठ्य नाटक, काव्य नाटक, और रेडियों नाटक, विधा के रुप में नाटक, नाटक परम्परा।

इकाई—2. कक्षाएँ 24

चन्द्रगुप्त नाटक — जयशंकर प्रसाद

इकाई—3. कक्षाएँ 24

अंधा युग (काव्य नाटक) — धर्मवीर भारती

इकाई—4. कक्षाएँ 24

एकांकी—

1. चारुमित्र — राम कुमार वर्मा
2. सूखी डाली — उपेन्द्र नाथ अस्क
3. महाभारत की एक सांझ — भारत भुषण अग्रवाल

संदर्भ ग्रंथ :


1. चन्द्रगुप्त नाटक — जयशंकर प्रसाद
2. अंधा युग — धर्मवीर भारती
3. काव्य नातक त्रयी — डॉ श्याम दिवाकर
4. श्रेष्ठ एकांकी — विजय पाल सिंह — नेशनेल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली


—————

North Lakhimpur College (Autonomous)

तीन बर्षीय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—4th

HINDI (Core)—Semester – IV

Paper CT–5–HIN–405

L-4, T-1, P-0

Credits— 5

Total Class— 112

## भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई—1 कक्षाएँ 30

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य गुण, काव्य दोष, शव्द शक्ति

इकाई—2 कक्षाएँ 30

अंलकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य सिद्धान्तों का सामान्य परिचय।

इकाई—3 कक्षाएँ 22

रस सिद्धान्त, रस के अंग, रस का स्वरुप, रसनिष्पत्ति, साधारणीकरण।

इकाई—4 कक्षाएँ 15

प्रमुख अंलकारो का लक्षण : उदाहरण—अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रुपक, उत्पेक्षा, अतिशयोक्ति, समासोक्ति, दृष्टान्त, दीपक, परिसंख्या, वीप्सा, निदंर्शना भ्रान्तिमान।

इकाई—5 कक्षाएँ 15

प्रमुख छन्दों का लक्षण, उदाहरण—दोहा, सोरठा, चौपाइ, रोला, कुण्डलिया, छप्पय, बरवै।

संदर्भ ग्रंथ :


1. रस सिद्धान्त — डॉ नगेन्द्र
2. साहित्यालोचन — श्यामसुन्दर दास
3. काव्य शास्त्र — भागीरथ मिश्रा
4. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्याशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन—डॉ. सत्यदेव चौधरी / डॉ. शान्तिस्वरुप गुप्त—अशोक प्रकाशन 2615, नई सड़क, दिल्ली—6


———————

North Lakhimpur College (Autonomous)

तीन बर्षोय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—4th

HINDI (Core)—Semester – IV

Paper CT–5–HIN–406

L-4, T-1, P-0

Credits— 5

Total Class— 112

## कथा साहित्य

इकाई—1. कक्षाएँ 20

कहानी की परिभाषा, महत्व, तत्व एंव स्वरुप, कहानी और उपन्यास में उन्तर।

इकाई—2. कक्षाएँ 25

कहानी—पाजेब (जैनेन्द्र कुमार), शरणदाता (अज्ञेय)
मलवे का मालिक (मोहन राकेश), वापसी (उषा प्रियम्बदा)
पूस की रात (प्रेमचन्द) ताई—विश्वम्भर नाथ शर्मा कौशिक, उसने कहा था—चन्द्रधर शर्मा गुलेरी।

इकाई—3. कक्षाएँ 20

उपन्यास की परिभाषा, महत्व, तत्व एंव स्वरुप।

इकाई—4. कक्षाएँ 25

उपन्यास —
गोदान — प्रेमचन्द

इकाई—5. कक्षाएँ 22

1084 वे की माँ—महाश्वेता देवी।

सहायक ग्रंथ :


1. नागर कथाएँ—डॉ वलेन्दु शेखर तिवारी—अमर प्रकाशन : कानपुर
2. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया—आनन्द प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद
3. गोदान—प्रेमचन्द
4. नयी कहानी की भूमिका—कमलेश्वर, वाणी प्रकाशन : दिल्ली
5. हिन्दी उपन्यास का इतिहास—गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन।
6. वे हजार चौरासी की माँ—महाश्वेता देवी।


————

North Lakhimpur College (Autonomous)

तीन बर्षीय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—5th

HINDI (Core)—Semester – V

Paper CT–4–HIN–507

**L-3, T-1, P-0**

Credits— 4
Total Class— 96

## हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

इकाई—1 आधुनिक काल—सीमा निर्धारण और नामकरण, परिस्थितियाँ—सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि नवजागरण—ब्रह्मसमाज, प्रार्थना समाज, आर्यसमाज, रामकृष्ण मिचन, थियोसोफिकल सोसाइटि, अरविन्द दर्शन।

कक्षाएँ 32

इकाई—2 भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग, छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयीकविता, हालावाद, यथार्थवाद, अकविता, नवगीत।

कक्षाएँ 22

इकाई—3 कथा और जीवनी साहित्य-उपन्यास, कहानी, निबंध, आत्मकथा, जीवनी साहित्य यात्रावृत्त।

कक्षाएँ 22

इकाई—4 गद्य की अन्य विधाए—व्यंगलेखन, फिचर, पत्रसाहित्य, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, डायरी लेखन, भेटवार्टा।

कक्षाएँ 20

सन्दर्भ ग्रन्थ :


1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नागेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबु गुलाब राय
4. हिन्दी साहित्य उसका उद्‌भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
6. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास — रामस्वरुप चतुर्वेदी
7. हिन्दी वाङ्‌मय — बीसवीं सदी — डाँ नगेन्द्र
8. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
9. हिन्दी निबंध के आधार स्तम्भ — हरिमोहन
10. आधुनिक साहित्य — नन्द दुलारे बाजपेयी
11. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तिया — डॉ शिव कुमार शर्मा

North Lakhimpur College (Autonomous)

तीन बर्षोय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—5th

HINDI (Core)—Semester –V

Paper CT–5–HIN–508

L-4, T-1, P-0

Credits— 5

Total Class— 112

## आलोचना एंव पाश्चात्य काव्य शास्त्र

इकाई—1 कक्षाएँ 25

आलोचना का परिभाषा एंव स्वरुप, साहित्य के अध्ययन की दृष्टियाँ — ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक समाजशास्त्रीय, शौली वैज्ञान।

इकाई—2 कक्षाएँ 15

हिन्दी आलोचना के उद्‌भव और विकास, आलोचकों की गुण-दोष।

इकाई—3 22

हिन्दी आलोचना — रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा के काव्य सिद्धन्तों का सामान्य परिचय, गोस्वामी तुलसीदास (त्रिवेणी)

इकाई—4 कक्षाएँ 20

विभिन्न वाद — स्वच्छन्दता वाद, अभिव्यंजना वाद, प्रतीक वाद, अस्तित्ववाद।

इकाई—5 30

पाश्चात्य आलोचना — प्लेटो, अरस्तु, रिचड्‌स, टी. एस. इलियट के सिद्धान्तो का परिचय।

सन्दर्भ ग्रन्थ :


1. रस सिद्धान्त — डॉ. नगेन्द्र
2. साहित्यालौचन — श्यामसुन्दर दास
3. काव्य शास्त्र — भागीरथ मिश्र
4. हिन्दी आलोचना — विश्वनाथ मिश्र
5. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का सक्षिप्त विवेचन — डॉ. सत्यदेव चौधरी / डॉ. शान्तिस्वरुप गुप्त अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र (साहित्यालोचन) — डॉ. त्रिलोकीनाथ श्रीवास्तव, कला मन्दिर 1687, नई सड़क, दिल्ली — 110006


———————

North Lakhimpur College (Autonomous)

तीन बर्षीय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—5th

HINDI (Core)—Semester – V

Paper CT–4–HIN–509

L-3, T-1, P-0

Credits— 4

Total Class— 96

## असमिया साहित्य का परिचयात्मक इतिहास

इकाई—1. कक्षाएँ 24

असमीया भाषा का उद्‌भव और विकास, भक्तिकाल तथा रोमान्तिक काल के प्रमुख रचनाकारो तथा उनके कर्मो के साथ असमीया साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

इकाई—2. असमीया कविता कक्षाएँ 24

मानव वन्दना—चन्द्र कुमार आगरवाला / वीण वरागी—लक्ष्मीनाथ
वेजवरुवा / तेरे मेरे आलोक की यात्रा-ज्याति प्रसाद आगरवाला
सागर देशा है—देवकान्त वरुवा / दुर्नीति—कवीन फूकन

इकाई—3. असमीया कहानी कक्षाएँ 24

अंधेरे में अपना चेहरा—डॉ नगेन शइकीया
पाठाशं—अन्धेरे में अपना चेहरा, यौवन, आखिरी इंतजार, असमय, शहर का मन

इकाई—4. शकंरदेव, माधवदेव तथा उनका वरगीत कक्षाएँ 24

पाठाशं—मन मेरी राम चरणेही लागु / मधुर मुरुती /
नारायण काहे भकति करु तेरा (शकंरदेव)
गोपाल गोवाली परते नाचे / दयार ठाकुर हरि / आलोमाई कि कहब दुख (माधव देव)

पाठ्य ग्रन्थ :

1. असमीया साहित्य का इतिहास—डॉ बिरिचिं कुमार बरुवा
2. अंधेरे में अपना चेहरा—डॉ नगेन शईकीया, साहित्य एकाडेमी
3. असमीया साहित्य निकास—सम्पादना—गुवाहाटी विश्वविद्यालय
4. असमीया साहित्य का परिचायात्मक इतिहास—डॉ. अ. नि. सहाय

———————

iÉÒxÉ ´É¹ÉÒªÉ ºxÉÉiÉEò (Ê½xnÒ EòÉ®) {ÉÉ`ÂÂ¬Gò¨É (ºÉ¨Éº]õ® |ÉhÉÉ±ÉÒ)

**Syllabus for the Hindia Core Programme of the Bachelor of Arts (B.A.)**

**Programme in the Semester System.**

Ê½xnÒ |ÉÊiÉ¹`öÉ (EòÉ®) - ºÉ¨Éº]õ® - 5th

**Hindi (CORE) - Sememter - V**

**CT- 4 - HIN - 510**

**L-3, T-1, P-0**

Credit - 4
Class - 96

|ÉªÉÉVÉxÉ¨ÉÚ±ÉEò Ê½xnÒ

<EòÉ< - 1 EòIÉÉB - 24

Ê½xnÒ ¦ÉÉ¹ÉÉ EòÉ ºÉ´É¯û{É - ¨ÉÉÊJÉEò ¦ÉÉ¹ÉÉ, Ê±ÉÊJÉiÉ ¦ÉÉ¹ÉÉ,
Ê±ÉÊ{É ºÉ +Ê¦É|ÉÉªÉ iÉlÉÉ ´ÉiÉxÉÒ EòÉ ¨ÉÉxÉEò ¯û{É, Ê½xnÒ Eò Ê´ÉÊ¦ÉxÉ ¯û{É -
ºÉVÉxÉÉiÉxÉEò ¦ÉÉ¹ÉÉ, ºÉSÉÉ® ¦ÉÉ¹ÉÉ, ®ÉVÉ¦ÉÉ¹ÉÉ, ¨ÉÉvªÉ¨É ¦ÉÉ¹ÉÉ, ¨ÉÉiÉ ¦ÉÉ¹ÉÉ*

<EòÉ< - 2 EòIÉÉB - 24

|ÉªÉÉVÉxÉ¨ÉÚ±ÉEò Ê½xnÒ - º´É¯û{É +É® ´ªÉÉ®´ªÉÉ, Ê´É¶É¹ÉiÉÉB, Ê´ÉÊ´ÉvÉ ¯û{É, ºÉÒ¨ÉÉB B´É
ºÉ¦ÉÉ´ÉxÉÉB, |ÉªÉÉVÉxÉ¨ÉÚ±ÉEò Ê½xnÒ EòÒ |ÉªÉÊHòªÉÉ +É® =xÉEò |ÉªÉÉMÉÉi¨ÉEò lÉjÉ,
|ÉªÉÉVÉxÉ¨ÉÚ±ÉEò ¦ÉÉ¹ÉÉ iÉlÉÉ ºÉÉ¨ÉÉxªÉ ¦ÉÉ¹ÉÉ ¨É +xiÉ®*

<EòÉ< - 3 EòIÉÉB - 24

|ÉªÉÉVÉxÉ¨ÉÚ±ÉEò Ê½xnÒ Eò ¨ÉJªÉ iÉi´É, |ÉªÉÉVÉxÉ¨ÉÚ±ÉEò Ê½xnÒ +É® =ºÉEòÒ {ÉÉÊ®¦ÉÉÊ¹ÉEò
¶É¤nÉ´É±ÉÒ - |É¶ÉÉºÉÊxÉEò, ºÉÉÊ½ÎiªÉEò, ´ÉYÉÉÊxÉEò B´É iÉEòxÉÒEòÒ ¶É¤nÉ´É±ÉÒ, {ÉnxÉÉ¨É*

<EòÉ< - 4 EòIÉÉB - 24

®ÉVÉ¦ÉÉ¹ÉÉ Ê½xnÒ EòÒ ºÉ´ÉÉÊxÉEò Îº lÉÊiÉ, EòÉªÉÉ±ÉªÉÒ (|É¶ÉÉºÉÊxÉEò) Ê½xnÒ EòÒ |ÉEòÊiÉ +É®
=ºÉEòÉ ¨É½i´É®É, |É¶ÉÉºÉÊxÉEò {ÉjÉÉSÉÉ® Eò |ÉEòÉ®, Ê]{{ÉhÉ-+É±ÉJÉxÉ, |ÉÉ¯û{ÉhÉ*

ºÉxn¦É OÉlÉ -

1) |ÉªÉÉMÉÉi¨ÉEò +É® |ÉªÉÉVÉxÉ¨ÉÚ±ÉEò Ê½xnÒ - bÉ ®É¨É|ÉEòÉ¶É, bÉ ÊnxÉ¶É MÉ{iÉ* ®ÉVÉEò¨ÉhÉ |ÉEòÉ¶ÉxÉ, xÉªÉÒ Ên±±ÉÒ*
2) ´ªÉÉ´É½ÉÊ®Eò Ê½xnÒ - ¨É½xp Ê¨ÉkÉ±É,
3) |ÉªÉÉVÉxÉ¨ÉÚ±ÉEò Ê½xnÒ - bÉ Ê´ÉxÉÉn MÉÉn®,
4) ®ÉVÉ¦ÉÉ¹ÉÉ Ê½xnÒ - Ê´ÉEòÉºÉ Eò Ê´ÉÊ´ÉvÉ +ªÉÉ¨É - ¨ÉÉ±ÉEò ¨ÉÉ½¨¨Én
5) ´ªÉÉ´É½ÉÊ®Eò |ÉªÉÉVÉxÉ¨ÉÚ±ÉEò Ê½xnÒ - +É¨É|ÉEòÉ¶É ËºÉ½±É*
6) हिन्दी गद्य कथासचांर—डॉ. अ. नि. सहाय, महाबीर पाब्लिकेशन

North Lakhimpur College (Autonomous)

तीन बर्षीय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—5th

HINDI (Core)—Semester – V

Paper CT–4–HIN–511

L-3,T-1, P-0

Credits— 4

Total Class— 96

## संचार माध्यम लेखन

इकाई—1 कक्षाएँ 25

माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरुप और उसके प्रकार, हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास, रेडियो नाटक की प्रविधि, रंग नाटक, पाठ्य नाटक एवं रेडियो नाटक का अन्तर, रेडियो नाटक के भेद—रेडियो धाराबाहिक, रेडियो रुपान्तर, रेडियो रुपक।

इकाई—2 कक्षाएँ 20

टी. वी. नाटक की तकनीक—टेली ड्रामा, टेली फिल्म, टी. वी. धारावाहिक में साम्य-वैषम्य।

इकाई—3 कक्षाएँ 26

संचार माध्यमों के विविध रुप, साहित्यिक विधाओं की दृश्य-श्रव्य रुपान्तरण कला, इलेक्ट्रोनिक मीडिया प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि, विज्ञापनों की भाषा, संचार माध्यमों की भाषा, हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रद्योगिकी की चुनौतियाँ।

इकाई—4 कक्षाएँ 25

कम्प्यूटर का प्राथमिक ज्ञान—हिन्दी कम्प्यूटर, लीट, उइन्दो, कम्प्यूटर सरंचना, हार्डवेर, सफ्टवेर, इन्टरनेट।

संदर्भ ग्रंथ :


1. रेडियो-दूरदर्शन पत्रकारिता—डॉ. हरिमोहन,
2. जनसंचार विविध आयाम—बृजमोहन गुप्ता,
3. जनसंचार का समाजशास्त्र—लक्ष्मीन्द्र चोपड़ा।


———————

North Lakhimpur College (Autonomous)

तीन बर्षीय स्नातक (हिन्दी कोर) पाठ्यक्रम (सेमेस्टर प्रणाली)

Syllabus for the Hindi core Programme of the Bachelor of Arts (BA) Programme in the Semester System

हिन्दी प्रतिष्ठा (कोर) सेमेस्टर—6th

HINDI (Core)—Semester – VI

Paper CT–4–HIN–612

L-3, T-1, P-0

Credits— 4

Total Class— 96

## आधुनिक हिन्दी काव्य

इकाई—1 कक्षाएँ 35

पंत, प्रसाद, निराला और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ—संपादक वाचस्पति पाठक
लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद।

पाद्यांश—पंत—परिवर्तन, ताज, प्रसाद—जाग री, तुम कौन संसृति जलनीधि तीर (श्रद्धा स्वर्ग)
निराला—जुही की कली, राम की शक्ति पूजा, महादेवी—मैं नीड़ भरी दु:ख की बदली।

इकाई—2 कक्षाएँ 25

साकेत (नवग सर्ग) — मैथिलीशरण गुप्त

इकाई—3 कक्षाएँ 36

छायावादोत्तर काव्य :

काव्य सुषमा— सत्यकाम विद्यालंकार,
नया साहित्य, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

पाद्यांश— दिनकर—हिमालय के प्रति, हरिवंशराय बच्चन—नीड़ का निर्माण,
रामेश्वर शुक्ल अंचल—काँटे कम से कम मत बोओ,
महेन्द्र भटनागर—बिजलियाँ गिरने नही देंगे,
गिरिजा कुमार माथुर—इतिहास : विकृत सत्य,

संदर्भ ग्रंथ :


1. पंत, प्रसाद, निराला और महादेवी की श्रेष्ट रचनाएँ—संपादक वाचस्पति पाठक लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. काव्य सुषमा—सत्यकाम विद्यालंकार, नया साहित्य, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
3. कविता के नये प्रतिमान—डॉ नामवर सिंह।


———————

¡ÉÒxÉ ´É¹ÉÒªÉ ºxÉÉ¡ÉEò (Ê½xnÒ EòÉ®) {ÉÉ`¬GòÉ (ºÉ¨Éº]®) |ÉhÉÉ±ÉÒ)

**Syllabus for the Hindia Core Programme of the Bachelor of Arts (B.A.)**

**Programme in the Semester System.**

Ê½xnÒ |ÉÊ¡É¹`É (EòÉ®) - ºÉ¨Éº]® - **6th**

**Hindi (CORE) - Sememter - VI**

**CT- 5 - HIN - 613**

**L-4, T-1, P-0**

¦ÉÉ¹ÉÉ Ê´ÉYÉÉxÉ, Ê½xnÒ ¦ÉÉ¹ÉÉ B´É Ê±ÉÊ{É

Credit - 5
Class - 112

<EòÉ< - 1 EòIÉÉB - 30

¦ÉÉ¹ÉÉ EòÒ {ÉÊ®¦ÉÉ¹ÉÉ +É® |ÉEòÊ¡É, ¦ÉÉ¹ÉÉ Ê´ÉYÉÉxÉ EòÒ {ÉÊ®¦ÉÉ¹ÉÉ - º´É¯û{É +É® +vªÉªÉxÉ IÉjÉ, ¦ÉÉ¹ÉÉ {ÉÊ®´ÉÉ®, Ê½xnÒ ¦ÉÉ¹ÉÉ EòÉ º´É¯û{É, Ê´ÉEòÉºÉ, Ê½xnÒ EòÒ =¡{ÉÊ¡É, {É®ÉxÉÒ Ê½xnÒ, +´É½]¡`¡ ËbMÉ±É ¡ÉIÉÉ Ê´ÉÊ¦ÉzÉ Ê´É¦ÉÉ¹ÉÉ+É EòÉ Ê´ÉEòÉºÉ, Ê½xnÒ ¦ÉÉ¹ÉÉ Eò Ê´ÉÊ¦ÉzÉ ¯û{É-¤ÉÉ±ÉSÉÉ±É EòÒ ¦ÉÉ¹ÉÉ*

<EòÉ< - 2 EòIÉÉB - 30

v´ÉÊxÉ Ê´ÉYÉÉxÉ EòÉ +IÉ B´É ={ÉªÉÉÊMÉ¡ÉÉ, ¡òÉxÉÉ±ÉÊ¹VÉÒ +É® ¡òÉxÉÉÊ]ÊCºÉ v´ÉÊxÉ Ê´ÉYÉÉxÉ EòÒ ¶ÉÉJÉÉB +ÉSSÉÉÊ®EòÒ v´ÉÊxÉ Ê´ÉYÉÉxÉ, ºÉÉSÉÉÊ®EòÒ v´ÉÊxÉ Ê´ÉYÉÉxÉ, ¸ÉÉÊ¡ÉEòÒ v´ÉÊxÉ Ê´ÉYÉÉxÉ, ´ÉÉMÉ-ªÉxjÉ (v´ÉÊxÉ ªÉxjÉ) º´É® +É® ´ªÉVÉxÉ, Ê½xnÒ v´ÉÊxÉªÉÉ EòÉ ´ÉMÉÒÊEò®hÉ*

<EòÉ< - 3 EòIÉÉB - 12

Ê½xnÒ ¶É¤n ®SÉxÉÉ - ={ÉºÉMÉ, |É¡ªÉªÉ +É® ºÉ¨ÉºÉ,
Ê½xnÒ EòÉ ¶É¤n ¦ÉbÉ®- ¡É¡ºÉ¨É, ¡Én¦É´É n¶ÉVÉ, +ÉMÉ¡É ¶ÉÉ¤nÉ´É±ÉÒ*

<EòÉ< - 4 EòIÉÉB - 15

¦ÉÉ®É{ÉÒªÉ {ÉÊ®´ÉÉ®, |ÉÉSÉÒxÉ ¦ÉÉ®¡ÉÒªÉ +ÉªÉ ¦ÉÉ¹ÉÉB, +ÉvÉÊxÉEò ¦ÉÉ®¡ÉÒªÉ +ÉªÉ ¦ÉÉ¹ÉÉB - ´ÉMÉÒEò®hÉ, º´É¯û{É, Ê´É¶É¹É¡ÉÉB, |É¨ÉJÉ ¦ÉÉ®¡ÉÒªÉ +ÉªÉ ¦ÉÉ¹ÉÉ+É EòÉ {ÉÊ®SÉªÉ*

<EòÉ< - 5 EòIÉÉB - 25

Ê½xnÒ EòÒ BÊ¡É½ÉÊºÉEò {É¹`¦ÉÚ¨É, Ê½xnÒ EòÉ ¦ÉÉMÉÉÊ±ÉEò Ê´ÉºiÉÉ®,
Ê½xnÒ EòÒ ={É ¦ÉÉ¹ÉÉB - {ÉÎ¶SÉ¨ÉÒ Ê½xnÒ, {É´ÉÔ Ê½xnÒ, ®ÉVÉºIÉÉxÉÒ,
Ê½xnÒ ¦ÉÉ¹ÉÉ EòÉ ¨ÉÉxÉEòÒEò®hÉ*

ºÉxn¦É OÉIÉ -

1 - ¦ÉÉ¹ÉÉ Ê´ÉYÉÉxÉ - ¦ÉÉ±ÉÉxÉÉIÉ ÊiÉ´ÉÉ®Ò,
2 - Ê½xnÒ ¦ÉÉ¹ÉÉ +É® xÉÉMÉ®Ò Ê±ÉÊ{É - ±ÉI¨ÉÒEòÉxiÉ ´É¨ÉÉ,
3 - ¦ÉÉ¹ÉÉ Ê´ÉYÉÉxÉ EòÒ ¦ÉÊ¨ÉEòÉ - bÉ n´Éxp xÉÉIÉ ¶É¨ÉÉ,
4 - Ê½xnÒ ¦ÉÉ¹ÉÉ EòÒ ¦ÉÊ¨ÉEòÉ - bÉ Ê¶É´É¶ÉEò® ´É¨ÉÉ,

iÉÒxÉ ´É¹ÉÒªÉ ºxÉÉiÉEò (Ê½xnÒ EòÉ®) {ÉÉ`ö¬GòÉ (ºÉ¨Éº]®õ |ÉhÉÉ±ÉÒ)

**Syllabus for the Hindi Core Programme of the Bachelor of Arts (B.A.)**

**Programme in the Semester System.**

Ê½xnÒ |ÉÊiÉ¹`öÉ (EòÉ®) - ºÉ¨Éº]®õ - **6th**

**Hindi (CORE) - Sememter - VI**

**CT- 4 - HIN - 614**

**L- 3, T-1, P- 0**

Credit - 4
Class - 96

Ë½xnÒ ÊxÉ¤ÉvÉ +É®õ +xªÉ MÉtªÉ Ê´ÉvÉÉB

<EòÉ< - 1ò (ÊxÉ¤ÉvÉ) EòIÉÉB - 30

1 ¤ÉÉ±É¨ÉEÖòn MÉ{iÉ - Ê¶É´É¶É¦É Eò ÊSÉ]Â`ö ¤ÉxÉÉ¨É ±ÉÉb EòVÉxÉ
2 ¨É½É´ÉÒ®|ÉºÉÉn Êu´ÉnÒ - EòÊ´ÉªÉÉ EòÒ =Ì¨É±ÉÉ Ê´É¹ÉªÉEò =nÉºÉÒxÉiÉÉ
3 ½VÉÉ®Ò |ÉºÉÉn Êu´ÉnÒ - Eò]ÖVÉ
4 ºÉ®nÉ® {ÉhÉÉºÉ½ - ¨ÉVÉn®Ò +É® |É¨É
5 Ê´É tÉÉxÉ´ÉÉºÉ Ê¨É¸É - iÉ¨ÉÉ±É Eò ZÉ®ÉJÉ ºÉ

<EòÉ< - 2 (ºÉº¨É®hÉ) EòIÉÉB - 30

1 ¨É½Én´ÉÒ ´É¨ÉÉ - ¦ÉÊHòxÉ
2 xÉnn±ÉÉ® ´ÉÉVÉ{ÉªÉÒ - ®ixÉÉEò®
3 ®ÉMÉªÉ ®ÉPÉ´É - +n¨ªÉ VÉÒ´ÉxÉ
4 ®É½±É ºÉÉEòiªÉÉªÉxÉ - +IÉiÉÉ vÉ¨ÉCEòc ÊVÉZÉÉºÉÉ

<EòÉ< - 3ò (´ªÉMªÉ) EòIÉÉB - 20

1 ½Ê®¶ÉEò® {É®ºÉÉ< - ¦ÉÉ±ÉÉ®É¨É EòÉ VÉÒ´É
2 ¶É®n VÉÉ¶ÉÒ - ½ÉxÉÉ EòUö xÉÉ½Ò EòÉ
3 ¸ÉÒ±ÉÉ±É ¶ÉÖC±É - +MÉn EòÉ {ÉÉ´É
4 ¨ÉxÉÉ½®¶ªÉÉ¨É VÉÉ¶ÉÒ - +® ¤ÉxÉÉÉ½xÉ ºÉ iÉÉ ¤ÉÊxÉ½ ¤ÉÉªÉÉOÉÉ¡òÒ

<EòÉ< - 4 (+ÉiÉ¨ÉEòlÉÉ) EòIÉÉB - 16

1 +ÉiÉ¨ÉEòlÉÉ : ®ÉVÉp |ÉºÉÉn
2 piÉ{ÉÉ`ö : EòÉ< BEò
Eò) +É¨É|ÉEòÉ¶É ´ÉÉ±É¨ÉÒÊEò - VÉÚ`öxÉ

ºÉ½ªÉEò OÉlÉ :

1) Ë½nÒ MÉt : Ê´ÉxªÉÉºÉ +É® Ê´ÉEòÉºÉ - ®É¨Éº´É¯û{É SÉiÉ´ÉnÒ
2) Ë½nÒ ºÉÉÊ½iªÉ EòÒ ¦ÉÊ¨ÉEòÉ - ±ÉI¨ÉÒºÉÉMÉ® ´ÉÉ¹hÉªÉ
3) ¦ÉÉ®iÉn ªÉMÉ - ®É¨ÉÉ´É±ÉÉºÉ ¶É¨ÉÉ
4) UÉªÉÉ´ÉÉnÉk® Ë½nÒ MÉt ºÉÉÊ½iªÉ - Ê´É·ÉxÉÉlÉ|ÉºÉÉn ÊiÉ´ÉÉ®Ò
5) Ë½nÒ EòÉ MÉt ºÉÉÊ½iªÉ - ®É¨ÉSÉp ÊiÉ´ÉÉ®Ò
6) Ë½nÒ ´ÉÉb¨ÉªÉ : ¤ÉÒºÉ´ÉÓ ¶ÉiÉÉ¤nÒ - bÉ xÉMÉp
7) +ÉvÉÊxÉEò Ë½nÒ MÉt ºÉÉÊ½iªÉ - ½®nªÉÉ±É
8) ¨É½Én´ÉÒ EòÉ MÉt ºÉÉÊ½iªÉ - ¨ÉÉJÉxÉ±ÉÉ±É ¶É¨ÉÉ
9) Ë½nÒ ºÉÉÊ½iªÉ +É® ºÉ´ÉnxÉÉ EòÉ Ê´ÉEòÉºÉ - ®É¨Éº´É¯û{É SÉ¯û´ÉnÒ
10) Ë½nÒ +ÉiÉ¨ÉEòlÉÉ : ÊºÉuÉiÉ +É® º´É¯û{É - Ê´É¶±É¹ÉhÉ - Ê´ÉxÉÒiÉÉ +OÉ´ÉÉ±É

# ¡ÉÒxÉ ´É¹ÉÒªÉ ºxÉÉ¡ÉEò (Ê½xnùÒ EòÉ®) {ÉÉ`¬GòÄ¨É (ºÉ¨Éº]®õ |ÉhÉÉ±ÉÒ)

## Syllabus for the Hindia Core Programme of the Bachelor of Arts (B.A.) Programme in the Semester System.

### Ê½xnùÒ |ÉÊ¡É¹`öÉ (EòÉ®) - ºÉ¨Éº]®õ - 6th

### Hindi (CORE) - Sememter - VI

### CT- 4 - HIN - 615

**L- 3, T- 1, P- 0**

Credit - 4
Class - 96

### +xÉ´ÉÉnù Ê´ÉYÉÉxÉ

<EòÉ< - 1 EòIÉÉB - 24

+xÉ´ÉÉnù - {ÉÊ®¦ÉÉ¹ÉÉ, IÉäjÉ, |ÉEòÉ® B´É |ÉªÉÉVÉxÉÒªÉ¡ÉÉ,
+xÉ´ÉÉnù EòÉ º´É¯û{É - Eò±ÉÉ, Ê´ÉYÉÉxÉ, Ê¶É±{É*

<EòÉ< - 2 EòIÉÉB - 24

+xÉ´ÉÉnù EòÒ |ÉÊGòªÉÉ, |ÉÊ´ÉÊvÉ ´É ÊºÉrùÉxiÉ - ºÉ¨É¡É±ªÉ¡ÉÉ EòÉ ÊºÉuùÉxiÉ,
ºÉÉºEòÊ¡ÉEò ºÉ¡É ¡ÉIÉÉ {É®EòÉªÉÉ |É´É¶É EòÉ ÊºÉuùÉxiÉ*

<EòÉ< - 3 EòIÉÉB - 24

+xÉ´ÉÉnù Eò ={ÉEò®hÉ - EòÉ¶É, {ÉÉÊ®¦ÉÉÊ¹ÉEò ¶É¤nùÉ´É±ÉÒ, ÊIÉºÉÉ®ºÉ,
Eò¨{ªÉ]®õ +ÉÊnù*

<EòÉ< - 4 EòIÉÉB - 24

+xÉ´ÉÉnù EòÒ ºÉÉÊ½ÎiªÉEò B´É ºÉÉÊ½ÎiªÉEòi¡É® ºÉ¨ºªÉÉB, ºÉ¡ò±É +xÉ´ÉÉnùEò Eò MÉhÉ,
+xÉ´ÉÉnù EòÒ ºÉÉIÉEòi¡ÉÉ, |ÉÉºÉÊMÉEòi¡ÉÉ B´É ´ªÉÉ´ÉºÉÉÊªÉEò {ÉÊ®où¶ªÉ,
´ªÉÉ´É½ÉÊ®Eò +xÉ´ÉÉnù - {ÉÉÊ®¦ÉÉÊ¹ÉEò ¶É¤nù´É±ÉÒ B´É Ê´ÉÊ¶É¹]õ {ÉnùxÉÉ¨É*

ºÉxnù¦É OÉxlÉ -

1) - +xÉ´ÉÉnù Ê´ÉYÉÉxÉ - bÉ ¦ÉÉ±ÉÉxÉÉlÉ Êi´ÉÉ®Ò,
2) - +xÉ´ÉÉnù Eò±ÉÉ: ÊºÉuùÉxiÉ +Éè® |ÉªÉÉMÉ - bÉ Eò±ÉÉ¶ÉSÉxpù ¦ÉÉÊ]ªÉÉ,
3) - +xÉ´ÉÉnù ÊºÉuùÉxiÉ EòÒ ¯û{É®JÉÉ - bÉ ºÉ®¶É Eò¨ÉÉ®,
4) - +xÉ´ÉÉnù Ê´ÉYÉÉxÉ - bÉ ´ÉÉ±Éxpù ¶ÉJÉ® Êi´ÉÉ®Ò*

iÉÒxÉ ´É¹ÉÒªÉ ºxÉÉiÉEò (Ê½xnÙ EòÉ®) {ÉÉ`¡¬Gò¨É (ºÉ¨ÉºÉ]® |ÉhÉÉ±ÉÒ)

**Syllabus for the Hindia Core Programme of the Bachelor of Arts (B.A.)**

**Programme in the Semester System.**

Ê½xnÙ |ÉÊiÉ¹`É (EòÉ®) - ºÉ¨ÉºÉ]® - **6th**

**Hindi (CORE) - Sememter - VI**

**CT- 4 - HIN - 616**

**L- 0, T- 0, P- 4**

Credit - 4

# Project Work

1. This paper will consist of 4 (four) credits. 3 (three) credits for a dissertation and one credit for Viva-voce.
2. The Students will choose one topic in consultation with teachers and it may be related to field work or library work.
3. After completion of project work students will prepare a dissertation maximum of 50 (fifty) pages in his/her topic, and the same will be submitted to the department,
4. There will be a Viva-voce on the basis of dissertation submitted by the students.